

विषय-सूची

- गत वर्षों के प्रश्न-पत्र हल सहित

द्वितीय प्रश्न-पत्र (Paper II)

पृष्ठ संख्या

(A) समाजशास्त्र की अवधारणाएँ (Sociological Concepts)

3-139

समाजशास्त्र की प्रकृति, परिभाषा, समाजशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य, मुख्य अवधारणाएँ : समुदाय, संस्कृति, मानदंड एवं मूल्य, समाज, सामाजिक संरचना, प्रस्थिति तथा भूमिका, सामाजिक समूह, अर्थ, प्रकार, प्राथमिक-द्वितीयक, औपचारिक-अनौपचारिक, अन्तर्समूह-बाह्य समूह, सन्दर्भ समूह, सामाजिक संस्थाएँ : विवाह, परिवार, शिक्षा, अर्थव्यवस्था, राजव्यवस्था, धर्म एवं समाज, समाजीकरण, सामाजिक स्तरीकरण, स्तरीकरण के स्वरूप : जाति, वर्ग, लिंग, नृजाति, सामाजिक स्तरीकरण के सिद्धान्त, सामाजिक गतिशीलता, सामाजिक परिवर्तन, सामाजिक परिवर्तन की विशेषताएँ, सामाजिक परिवर्तन के सिद्धान्त: द्वन्द्वात्मक एवं चक्रीय। महत्वपूर्ण समाजशास्त्रीय अवधारणाएँ एवं उनके प्रतिपादक।

(B) समाजशास्त्रीय सिद्धान्त (Sociological Theory)

140-164

संरचनावाद सिद्धान्त : नाडेल, ब्राउन, लेवी स्ट्रॉस, संरचना सिद्धान्त, एस.एफ. नाडेल, ए.आर. रेडक्लिफ ब्राउन, लेवी स्ट्रॉस, प्रकायवादी सिद्धान्त : प्रकायवाद के भेद, मैलिनोवस्की, इमाइल दुर्खीम, टालकॉट पारसंस, रॉबर्ट के. मर्टन, अंतःक्रियावादी सिद्धान्त, सामाजिक क्रिया, मैक्स वेबर, विल्फ्रेडो पैरेटो, प्रतीकात्मक अंतःक्रियावाद, जी.एच. मीड, हरबर्ट ब्लूमर, संघर्षवादी सिद्धान्त, कार्ल मार्क्स-वैज्ञानिक समाजवाद के जनक, डेहरेनडॉर्फ, लेविस कोजर, रेन्डाल कौलिनस, वस्तुनिष्ठ प्रश्न।

(C) पद्धतिशास्त्र (Methodology)

165-184

सामाजिक शोध का अर्थ एवं प्रकृति, सामाजिक अनुसंधान के प्रकार, सामाजिक प्रघटना, सामाजिक प्रघटनाओं के वैज्ञानिक अध्ययन में समस्याएँ, वैज्ञानिक पद्धति, वैज्ञानिक पद्धति के चरण, वस्तुनिष्ठता एवं विषयपरकता, वस्तुनिष्ठता का महत्व, वस्तुनिष्ठता की प्राप्ति में कठिनाइयाँ, वस्तुनिष्ठता की प्राप्ति के साधन एवं उपाय, परिमाणात्मक विधियाँ, सामाजिक सर्वेक्षण के उद्देश्य या कार्य, सर्वेक्षण की सीमाएँ, सर्वेक्षण के प्रकार, अनुसंधान प्रारूप या अनुसंधान-अभिकल्प, उपकल्पना या प्राक्कल्पना, उपकल्पना के प्रकार, निदर्शन या प्रतिदर्श, निदर्शन के प्रकार, सामग्री एकत्र करने की प्रविधियाँ; अवलोकन, सहभागी अवलोकन, असहभागी अवलोकन, साक्षात्कार, प्रश्नावली, अनुसूची, गुणात्मक विधियाँ, एकल अध्ययन पद्धति, अन्तर्वस्तु विश्लेषण, सांख्यिकीय शोध, माध्यिका, बहुलक, विक्षेपण की माप, मानक विचलन, सहसम्बन्ध, विश्वसनीयता एवं वैधता, वस्तुनिष्ठ प्रश्न।

तृतीय प्रश्न-पत्र (A) [Paper-III (A)]**कोर समूह****इकाई I : फेनोमेनोलॉजी एवं एथनोमैथडोलॉजी****(Phenomenology and Ethnomethodology)****3-32**

फेनोमेनोलॉजी, फेनोमेनोलॉजी की विशेषताएँ, अल्फ्रेड शुट्ज, पीटर एल. बर्जर एवं थॉमस लुकमान, एथनोमैथडोलॉजी, हैरॉल्ड गारफिंकल, इरविंग गोफमैन, अन्तःक्रिया क्रम, वस्तुनिष्ठ प्रश्न.

इकाई II : नवप्रकार्यवाद एवं नवमार्क्सवाद**(Neo-functionalism and Neo-marxism)****33-56**

नवप्रकार्यवाद, जेफ्रे सी. एलेक्जेंडर, नवमार्क्सवाद, जुरगेन हैबरमास, लुइस अल्थूजर, संरचनावाद के सम्प्रतिपत्ति एवं संघर्ष प्रारूप, वस्तुनिष्ठ प्रश्न.

इकाई III : संरचनाकरण एवं उत्तरआधुनिकता**(Structuration and Post-modernism)****57-76**

भाषा विज्ञान में संरचनावाद, एंथनी गिडेन्स, गिडेन्स के संरचनाकरण की समालोचना, उत्तरआधुनिकतावाद, माइकल फूको, जैक्स डेरिडा, आधुनिकता एवं उत्तरआधुनिकता में अंतर, वस्तुनिष्ठ प्रश्न.

इकाई IV : भारतीय समाज का अवधारणात्मक स्वरूप**(Conceptualizing Indian Society)****77-104**

भारत के लोग : समूह एवं समुदाय, एकता एवं विविधता, जाति एवं जनजाति, वस्तुनिष्ठ प्रश्न.

इकाई V : सैद्धान्तिक परिप्रेक्ष्य (Theoretical Perspectives)**105-135**

भारतशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य, जी. एस. घुरिये, लुई ड्यूमां, संरचनात्मक प्रकार्यवादी परिप्रेक्ष्य, मैसूर नरसिम्हाचार श्रीनिवास, प्रो. श्यामाचरण दुबे, मार्क्सवादी परिप्रेक्ष्य, धुर्जटि प्रसाद मुखर्जी, अक्षय कुमार रमणलाल देसाई, सभ्यतावादी परिप्रेक्ष्य, निर्मल कुमार बोस, सुरजीत सिन्हा, दलितवादी परिप्रेक्ष्य, डेविड हार्डिंमैन (लेकेस्टर विश्वविद्यालय), वस्तुनिष्ठ प्रश्न.

इकाई VI : समकालीन मुद्दे : सामाजिक-सांस्कृतिक**(Contemporary Issues : Socio-cultural)****136-161**

निर्धनता, निर्धनता के कारण, निर्धनता निवारण, जातीय एवं लैंगिक असमानता, लिंग आधारित असमानता, क्षेत्रीय, नृजातीय एवं धार्मिक विसमरसता, क्षेत्रीय विसमरसता, नृजातीय विसमरसता, धार्मिक विसमरसता, हिन्दू-मुस्लिम विसमरसता, हिन्दू-सिख विसमरसता, हिन्दू-ईसाई विसमरसता, पारिवारिक विसमरसता : घरेलू हिंसा, दहेज, तलाक एवं अन्तरपीढ़ीय संघर्ष, विवाह-विच्छेद, अन्तरपीढ़ीय संघर्ष, वस्तुनिष्ठ प्रश्न.

इकाई VII : समकालीन मुद्दे : विकास**(Contemporary Issues : Development)****162-178**

जनसंख्या, अधिक जनसंख्या : सकारात्मक दृष्टिकोण, गंदी बस्तियाँ, स्वास्थ्य समस्याएँ, पारिस्थितिकीय पतन एवं पर्यावरण प्रदूषण, विस्थापन, वस्तुनिष्ठ प्रश्न.

इकाई VIII : विचलन से सम्बन्धित मुद्दे**(Issues Pertaining to Deviance)****179-199**

विचलन एवं इसके प्रकार, अपराध एवं विचलित व्यवहार, अपराध के समाजशास्त्रीय सिद्धान्त, अपराध एवं अपराधियों के बदलते प्रतिमान, आत्महत्या, मादक पदार्थों का व्यसन, व्यसन के कारण सम्बन्धी सिद्धान्त,

नशामुक्ति के लिए कुछ सुझाव, सफेदपोश अपराध एवं भ्रष्टाचार, सदरलैण्ड के विचारों की आलोचना, सफेदपोश अपराधों को रोकने के उपाय एवं उपचार, भ्रष्टाचार, वस्तुनिष्ठ प्रश्न.

इकाई IX : समसामयिक विवाद (Current Debates) 200–228

भारत में परम्परा एवं आधुनिकता, आधुनिकता की विशेषताएँ, परम्परा बनाम आधुनिकता, राष्ट्र निर्माण की समस्या : पंथ और धर्म निरपेक्षता बहुलतावाद और राष्ट्र निर्माण, वस्तुनिष्ठ प्रश्न.

इकाई X : वैश्वीकरण की चुनौतियाँ : समाजशास्त्र का देशजीकरण, शिक्षा का निजीकरण, भारत में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी नीति (The Challenges of Globalisation : Indigenisation of Sociology, Privatisation of Education, Science and Technology Policy of India) 229–252

वैश्वीकरण या भूमंडलीकरण, समाजशास्त्र का देशजीकरण, शिक्षा का निजीकरण, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी नीति, वस्तुनिष्ठ प्रश्न.

तृतीय प्रश्न-पत्र (B) [Paper-III (B)]

ऐच्छिक या वैकल्पिक

ऐच्छिक I : ग्रामीण समाजशास्त्र (Rural Sociology) 253–328

ग्रामीण समाजशास्त्र का अर्थ, ग्रामीण समाजशास्त्र का विकास, भारत में ग्रामीण समाजशास्त्र, ग्रामीण समाजशास्त्र का विषय क्षेत्र, ग्रामीण समाजशास्त्र की प्रकृति, ग्रामीण समाजशास्त्र एक विज्ञान के रूप में, ग्रामीण समाजशास्त्र की अध्ययन पद्धतियाँ, ग्रामीण समाजशास्त्र के उद्देश्य, ग्रामीण समाजशास्त्र के प्रकार्य, ग्रामीण समाजशास्त्र की उपयोगिता, भारत में ग्रामीण प्रक्रियाएँ : स्थानीयकरण, सार्वभौमिकरण, संस्कृतिकरण, लघु एवं वृहत् परम्पराएँ, ग्रामीण एवं नगरीय जीवन में अन्तर, कृषक सम्बन्धी अध्ययन, जजमानी व्यवस्था एवं जजमानी अन्तःसम्बन्ध, जजमानी व्यवस्था की मुख्य विशेषताएँ, जजमानी व्यवस्था के गुण, जजमानी व्यवस्था के दोष, जजमानी व्यवस्था के विघटन के कारण, भारत में पंचायती राज व्यवस्था, भारतीय संविधान और पंचायती राज, पंचायती राज संस्थाएँ, ग्राम पंचायत— गठन, अधिकार एवं शक्तियाँ, पंचायती राज की समस्याएँ, सफलता के लिए सुझाव, कृषक अन्तःसम्बन्ध : भूमि सुधार, कृषक असन्तोष एवं कृषक आन्दोलन, परम्परागत ग्रामीण भारत में कृषक सम्बन्ध एवं भूमि व्यवस्था, समकालीन ग्रामीण भारत में कृषक सम्बन्ध एवं भूमि प्रबन्धन, भूमि-सुधार, भूमि अधिकारों में सुधार, भारत में कृषक आन्दोलन, ग्रामीण विकास और परिवर्तन, ग्रामीण समाज में परिवर्तन के प्रमुख कारक, ग्रामीण भारत में हरित क्रांति एवं अन्य क्रांतियाँ, हरित क्रांति, भारत में हरित क्रांति के चरण, हरित क्रांति के दोष एवं दुष्परिणाम, हरित क्रांति के लाभ, हरित क्रांति की सफलता के लिए सुझाव, भारत में पीली क्रांति, भारत में श्वेत क्रांति, भारत में नीली क्रांति, वस्तुनिष्ठ प्रश्न.

ऐच्छिक II : उद्योग एवं समाज (Industry and Society) 329–378

औद्योगिक समाजशास्त्र, उद्योगवाद, औद्योगीकरण, औद्योगिक जनतन्त्र, औद्योगिक मनोविज्ञान, औद्योगिक क्रांति, औद्योगिक समाज, औद्योगिक सम्बन्ध, भारत में मजदूर संघ की गतिविधियाँ, श्रम के बदलते प्रतिमान, भारत में श्रम का आकार और स्वरूप, कुशल श्रमिकों की समस्या, श्रम आवर्त और अनुपस्थिति प्रवृत्ति, बदलते श्रम-प्रबन्ध सम्बन्ध, औद्योगिक मजदूरों की दशाएँ, श्रम सम्बन्धी कानून, गुणवत्ता केन्द्र, औद्योगिक समाज में वर्ग तथा वर्ग संघर्ष, सामाजिक वर्ग का अर्थ, वर्ग-चेतना, अलगाव, अलगाव की विशेषताएँ, अलगाव के स्वरूप, औद्योगिक योजना : औद्योगिक नीति, औद्योगिक नीति के उद्देश्य, 1948 की औद्योगिक नीति की आलोचनात्मक समीक्षा, उद्योगों का नियमन, जनता सरकार की औद्योगिक नीति की समालोचना, सार्वजनिक क्षेत्र की महत्ता, वस्तुनिष्ठ प्रश्न.

ऐच्छिक III : विकास का समाजशास्त्र (Sociology of Development)

379-415

विकास, टिकाऊ या सम्पोषक विकास, मानवीय विकास, आर्थिक संवृद्धि, आर्थिक विकास और आर्थिक संवृद्धि में अन्तर, अल्पविकास की अवधारणा, विकास के प्रमुख उपागम, उदारवादी सिद्धान्त, आश्रितता (पराश्रितता) सिद्धान्त, विकास के मार्ग, ट्रस्टीशिप का सिद्धान्त, सामाजिक संरचना एवं विकास, आर्थिक विकास की अवधारणा, आर्थिक विकास की पूर्वापेक्षाएँ एवं बाधाएँ, भारत में आर्थिक विकास में सामाजिक बाधाएँ, आर्थिक विकास की अवस्थाएँ, सामाजिक परिवर्तन आर्थिक विकास से पूर्व या पश्चात्, आर्थिक विकास की समाजशास्त्रीय समस्याएँ, वस्तुनिष्ठ प्रश्न.

ऐच्छिक IV : जनसंख्या एवं समाज (Population and Society)

416-456

जनसंख्या वृद्धि के सिद्धान्त, माल्थस का जनसंख्या सिद्धान्त, माल्थस का जनसंख्या नियंत्रण के बारे में दृष्टिकोण, माल्थस के सिद्धान्त की समालोचना, जनाकिकीय संक्रमण सिद्धान्त, भारत में जनसंख्या वृद्धि एवं वितरण, भारत में जनसंख्या वृद्धि के कारण, जनसंख्या-नियंत्रण के प्रयास, जनसंख्या विकास पर विश्व रिपोर्ट, जनसंख्या सम्बन्धी अवधारणाएँ, प्रजननता का अर्थ व परिभाषा, प्रजननता के सामाजिक निर्धारक, प्रवासन या प्रवास और समाज पर इसका प्रभाव, प्रवासन के प्रकार या स्वरूप, जनसंख्या एवं आर्थिक विकास के पक्ष, जनसंख्या नियंत्रण, परिवार कल्याण कार्यक्रम, राष्ट्रीय जनसंख्या आयोग, राष्ट्रीय जनसंख्या नीति-2000, जनसंख्या शिक्षा, जनसंख्या शिक्षा के उद्देश्य, जनसंख्या शिक्षा की आवश्यकता, वस्तुनिष्ठ प्रश्न.

ऐच्छिक V : लिंग और समाज (Gender and Society)

457-504

लिंग भेद का समाजशास्त्र, जेन्डर (लिंग), लैंगिक पृथक्करण, लिंग की सामाजिक अवधारणा, पुरुषवादी मिथक और स्त्री उपेक्षा, सांस्कृतिक प्रतीकवाद एवं महिलाओं की भूमिका, बालक एवं बालिकाओं की अधिकारिता : मिथक और यथार्थ, सामाजिक संरचना एवं लिंग असमानता, मातृसत्तात्मकता एवं पितृसत्तात्मकता, श्रम विभाजन, उत्पादन एवं पुनरुत्पादन, लिंग और विकास, संयुक्त राष्ट्र की मानवाधिकार घोषणा (1948), स्वतन्त्रता से पूर्व प्रयास, स्वतन्त्र भारत में प्रयास, लिंग और विकास के परिप्रेक्ष्य, महिला आरक्षण विधेयक, कल्याणकारी, विकासात्मक सबलीकरण, नई दिशा नीति की भूमिका, नारी विकास की विशिष्ट योजनाएं एवं रणनीतियाँ, स्वाधीनता के बाद, पारिस्थितिकी नारीवाद, सामाजिक कानून, आर्थिक कानून, राजनैतिक अधिकार, अधिकार चेतना, सामाजिक अधिकारों की चेतना, आर्थिक अधिकारों की चेतना, राजनैतिक अधिकारों की चेतना, वस्तुनिष्ठ प्रश्न.